भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

20.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3315 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशनों में एआई-सक्षम 'टेक-रिटेल हब' का एकीकरण

3315 श्री कार्तिकेय शर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 'विकसित भारत टेक-रिटेल हब' स्थापित करके कम उपयोग में आ रही रेलवे परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण करने का कोई प्रस्ताव है, जिसमें एआई-आधारित 'फिजिटल' खुदरा स्थानों को स्टार्ट-अप उद्भवन प्रयोगशालाओं के साथ एकीकृत किया जाएगा;

(ख) फरवरी, 2026 में शुरू किए गए रेलटेक पोर्टल का ब्यौरा क्या है तथा रेलवे परिसरों में स्मार्ट-कॉमर्स समाधान तैनात करने के लिए युवा-नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप्स को 50 प्रतिशत विकास वित्तपोषण प्रदान करने में इसकी क्या भूमिका है;

(ग) वैश्विक व्यापार में युवा ग्रामीण उद्यमियों की सहायता के लिए 1,300 से अधिक पुनर्विकसित स्टेशनों पर 'भाषिणी' (बहुभाषी एआई) और एज-कंप्यूटिंग की तैनाती की स्थिति क्या है; और

(घ) गैर-किराया राजस्व सृजन के लिए युवा-नेतृत्व वाले सूक्ष्म उद्यमों के माध्यम से इन केन्द्रों को सिटी सेंटर के रूप में स्थापित करने के प्रथम चरण की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल विश्व की सबसे बड़े और जटिल रेल प्रणालियों में से एक है। इसकी परिचालनिक दक्षता, संरक्षा और सेवा वितरण में सुधार के लिए, नई प्रौद्योगिकियों और नवोन्मेषी समाधानों का उपयोग आवश्यक है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा-संचालित प्रौद्योगिकियों पर आधारित समाधानों सहित लागत प्रभावी, कार्यान्वयन योग्य और स्केलेबल समाधानों के विकास का समर्थन करने के लिए, भारतीय रेल द्वारा 26.02.2026 को रेल टेक पॉलिसी नामक एक नई नीति अपनाई गई है। इस संबंध में एक पोर्टल (https://railtech.indianrailways.gov.in/) लॉन्च किया गया है ताकि नवोन्मेषकों और स्टार्ट-अप्स की भागीदारी को सुविधाजनक बनाया जा सके। यह नीति रेलों के लिए

प्रौद्योगिकी समाधान विकसित करने में प्रतिभाशाली व्यक्तियों और स्टार्ट-अप्स को आकर्षित करने की दिशा में एक सुधार कार्य है।

यह पोर्टल किसी भी नवोन्मेषक को प्रासंगिक समाधान के साथ भारतीय रेल की चुनौतियों को संबोधित करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने की सुविधा देता है, जिसमें स्व-प्रेरित प्रस्तावों के प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एकल-स्तरीय विस्तृत प्रस्तुतिकरण तंत्र शामिल है।

रेल टेक नीति के तहत, भारतीय रेल और नवप्रवर्तक/स्टार्ट-अप के बीच 50:50 लागत-साझाकरण आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, प्रोटोटाइप विकास और परीक्षणों के लिए अधिकतम अनुदान 3 करोड़ रुपए तक सीमित है। विस्तारित परीक्षणों या सफल पैमाने पर समाधान, वित्तीय सहायता प्रारंभिक अनुदान के पांच गुना तक प्रदान की जा सकती है, जो अधिकतम 10 करोड़ रुपए तक होगी।

उपरोक्त प्रस्तावित नीति भारतीय रेल पर नई प्रौद्योगिकियों को पहले अपनाने की सुविधा प्रदान करेगी।

आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाना

भारतीय रेल में प्रौद्योगिकी संबंधी सुधार करना सतत प्रक्रिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता/मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) आधारित एप्लीकेशन एक विकासशील क्षेत्र है। भारतीय रेल में उपयोग/पायलट परियोजना के रूप में प्रयोग की जा रही कुछ मुख्य प्रौद्योगिकियाँ निम्नानुसार हैं:

1. **मशीन विजन निरीक्षण प्रणाली (एमवीआईएस):** एमवीआईएस एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)/मशीन लर्निंग (एमएल) आधारित प्रणाली है जो चालित गाड़ियों में किसी भी प्रकार के लटकते हुए, ढीले या लापता पुर्जों के संबंध में चेतावनी देते हैं।

   पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में माल ढुलाई स्टॉक के लिए तीन (03) डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) में दो (02) और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में एक (01) एमवीआईएस को प्रायोगिक आधार पर संस्थापित किया गया है। इसके अलावा, भारतीय रेल नेटवर्क पर माल ढुलाई स्टॉक के लिए चार (04) एमवीआईएस शामिल करने के लिए भारतीय रेल और डीएफसीसीआईएल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

   इसके अलावा, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) ने उद्योग क्षेत्रों के सहयोग से अभिरूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) के माध्यम से चल स्टॉक के लिए एमवीआईएस को विकसित किया है।

2. **व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर (डब्ल्यूआईएलडी):** डब्ल्यूआईएलडी एक वे-साइड निरीक्षण प्रणाली है जो चल स्टॉक में खराब पहिए की पहचान करने के लिए रेलपथ पर पहिए के प्रभाव को मापती है। भारतीय रेल पर ऐसी 24 प्रणालियां संस्थापित की गई हैं।

3. **चल स्टॉक की ऑनलाइन निगरानी (ओएमआरएस):** ओएमआरएस एक वे-साइड निरीक्षण प्रणाली है जो चल स्टॉक के बेयरिंग और पहियों के स्थितियों की निगरानी करती है। भारतीय रेल पर ऐसी 25 प्रणालियां संस्थापित की गई हैं, जिनमें से दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल में सिरपुर कागज़नगर में एक (01) ओएमआरएस लगाई गई है।

4. **एकीकृत रेलपथ निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस):** आईटीएमएस को रेलपथ के व्यापक निरीक्षण और निगरानी के लिए लगाया गया है। आईटीएमएस रेल की पटरियों, स्लीपरों और फास्टनिंग जैसे रेलपथ घटकों में दोषों की निगरानी और पता लगाने के लिए मशीन लर्निंग और इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करता है। आईटीएमएस से प्राप्त डाटा का पटरियों के तत्काल और नियोजित अनुरक्षण के लिए विश्लेषण किया जाता है। वर्तमान में भारतीय रेल के रेलपथ की रिकॉर्डिंग और निगरानी के लिए तीन (03) आईटीएमएस लगाए गए हैं। इससे बेहतर रेलपथ अनुरक्षण नियोजन, बेहतर संरक्षा, रेलपथ परिसंपत्तियों की बेहतर विश्वसनीयता और परिचालन दक्षता में सहायता मिलती है।

5. **इट्रूज़न डिटेक्शन सिस्टम (आईडीएस):** रेलपथ पर हाथियों की मौजूदगी का पता लगाने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल के 141 मार्ग किलोमीटर रेलखंड पर डिस्ट्रिब्यूटेड अकॉस्टिक सेंसर (डीएएस) का उपयोग करके एआई-चालित इट्रूज़न डिटेक्शन सिस्टम (आईडीएस) संस्थापित की गई है। यह प्रणाली लोको पायलटों, स्टेशन मास्टरों और नियंत्रण कक्ष को रेलपथ के समीप हाथियों की आवाजाही के बारे में चेतावनी देने के लिए डिज़ाइन की गई है, ताकि समय पर निवारक कार्रवाई की जा सके।

6. **शिरोपरि उपकरण की ड्रोन आधारित निगरानी:** शिरोपरि उपकरण (ओएचई) की थर्मल इमेजिंग के साथ ड्रोन आधारित निगरानी को प्रायोगिक आधार पर रायपुर मंडल पर शुरू किया गया है। इसके अलावा, भारतीय रेल ने आईआईटी मद्रास के सहयोग से शिरोपरि उपकरण के ड्रोन आधारित हवाई निरीक्षण का विकास किया है जो एआई/एमएल का उपयोग करके कैप्चर किए गए डेटा का विश्लेषण भी करेगा।

7. **त्रि-नेत्र:** अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन ने कोहरे, बारिश और खराब मौसम के दौरान लोको पायलटों को सहायता प्रदान करने के लिए त्रि-नेत्र (टेरेन इमेजिंग फॉर लोकोमोटिव ड्राइवर्स-इन्फ्रा-रेड, एन्हांस्ड ऑप्टिकल एंड रेंजिंग डिवाइस असिस्टेड) को विकासित किया है। इस प्रणाली में ऑप्टिकल कैमरा, इन्फ्रा-रेड कैमरा और रेंजिंग डिवाइस (जैसे रडार/लिडार) और लोको पायलटों की सहायता के लिए वास्तविक समय पर एआई के माध्यम से उन्नत दृष्टि प्रणाली बनाना शामिल हैं।

8. **रेल मदद और यात्री आरक्षण प्रणाली:** परिचालनिक दक्षता में सुधार लाने के लिए यात्री सेवा क्षेत्र (रेल मदद और यात्री आरक्षण प्रणाली) में, माल ढुलाई परिचालन (मालगाड़ियों के आने के अनुमानित समय का पूर्वानुमान) और उतराई/लदान समय के पूर्वानुमान के लिए एआई/एमएल मॉडल क्रियान्वित किए गए हैं।

9. भारतीय रेल और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के बीच 4 अदद स्वचालित व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली (एडब्ल्यूपीएमएस) को शामिल करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। स्वचालित व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली रेलगाड़ी के पहियों का प्रोफाइल का स्वचालित गैर-संपर्क मापन करने में सक्षम है, जिससे पहियों का आकार और घिसाव का वास्तविक समय मापन सुनिश्चित होता है। इन 4 प्रणालियों को लगाने के लिए चिह्नित स्थान निम्नानुसार हैं:

   क. मध्य रेलवे के मुंबई मंडल पर लोकमान्य तिलक टर्मिनस कोचिंग डिपो
   ख. उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल पर आनंद विहार टर्मिनल कोचिंग डिपो
   ग. उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल पर तुगलकाबाद माल डिब्बा डिपो के निकट
   घ. पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल पर पंडित दीन दयाल उपाध्याय माल डिब्बा डिपो के निकट

10. रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र ने 13 अनुसूचित भाषाओं में से किसी भी भाषा में उपयोगकर्ता की शिकायतों के निपटान के लिए स्वचालित भाषा अनुवाद हेतु डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

11. रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र ने रेलगाड़ी परिचालन के क्षेत्र में दक्षता बढ़ाने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

12. रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र ने परिवहन और संबंधित क्षेत्रों में जनरेटिव एआई को अपनाने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

13. भारतीय रेल में सिगनल प्रणाली के एआई संचालित पूर्वानुमानित अनुरक्षण से संबंधित प्रायोगिक पहल शुरू की जा रही है।

भारतीय रेल पोर्टल वेबसाइटों के साथ भाषिणी को भारतीय भाषाओं में अनुवाद प्रदान करने के लिए एकीकृत किया गया है।

<u>अमृत भारत स्टेशन योजनाः</u>

यात्रियों की सुविधाओं और आराम को बेहतर करने के लिए रेल मंत्रालय द्वारा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों तरफ के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन इमारत में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता अनुसार दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों के लिए गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1,338 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है।

स्टेशन जहां कार्य पूरे किए जा चुके हैः

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अभी तक, 180 रेलवे स्टेशनों पर निर्माण-कार्य पूरे हो चुके हैं। अभी तक निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों पर कार्य पूरे किए गए हैं:

अलनावर, अंब अंदौरा, अंबिकापुर, आमगांव, आनंदपुर साहिब, अनारा, अयोध्या धाम, बादामी, बागलकोट, बैजनाथ पपरोला, बलरामपुर, बंतावाला, बाराभूम, बारामती, बरेली सिटी, बारीपदा, बाड़मेर, बरपाली, बेगमपेट, ब्योहारी, भानुप्रतापपुर, भिलाई, भिण्ड, बिजनौर, बिमलगढ़, बोम्मिडी, बूंदी, चांदा फोर्ट, चालक्कुडि, चंगनास्सेरी, चेन्नै पार्क, छिंदवाड़ा, चिदंबरम, चिंचपोकली, चिन्नसेलम, चिरयिनकीष़, कटक, डाकोर, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धारवाड़, धुले, डोंगरगढ़, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतेहपुर शेखावाटी, गडग, गंगापुर सिटी, गोड्डा, गोधरा जंक्शन, गोगामेरी, गोकक रोड, गोला गोकर्णनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुरी, गोविंदपुर रोड,

हफिजपेट, हैबरगांव, हल्दिया, हापा, हरपालपुर, हाथरस सिटी, होडल, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जैसलमेर, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जयचण्डी पहाड़, जुन्नार देव, काकीनाडा टाउन, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कनालुस जंक्शन, कराईकुडी जंक्शन, करमसद, करीमनगर, कटनी साउथ, केडगांव, खैरथल, खंभालिया, खलीलाबाद, कोप्पल, कोसंबा जंक्शन, कुलितुरई, कुट्टीपुरम, लासलगांव, लिम्बडी, लोहरदगा, लोणंद जंक्शन, माहे, महुवा, मैलानी, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मधुपुर, मनापराई, मंडी डबवाली, मंगलागिरी, मन्नारगुडी, माटुंगा, एम.सी.एस. छत्तरपुर, मीठापुर, मोरप्पुर, मोरबी, मुक्तसर, मुनिराबाद, मूरी जंक्शन, मुर्तिजापुर जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, नंदुरा, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, ओखा, ओरछा, पालीताणा, पानागढ़, पनकी धाम, परेल, परलाखेमुंडी, पीरपैंती, पिस्का, पुखरायां, पोलाची जंक्शन, पोलूर, पोरबंदर, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामघाट हाल्ट, रायनपाडु, सहारनपुर जंक्शन, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, साहेबगंज, समखियाली, समलपट्टी, सांची, शंकरपुर, सावदा, सिवनी, शहद, शाजापुर, शोलावंदन, षोरणूर जंक्शन, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, सिउरी, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, सुल्लुरपेटा, सुरैमंपुर, स्वामीनारायण छपिया, तालचेर, तामलुक, थावे, थिरुवरूर जंक्शन, तिरुवन्नामलाई, टूनि, उझानी, उरकुरा, उत्राण, वडकरा, वडाला रोड, विदिशा, वृद्धाचलम जंक्शन, वडक्कांचेरि, वारंगल।

अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी विकास संबंधी कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और इनमें से कुछ रेलवे स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- **तिरुपति रेलवे स्टेशन**: दक्षिण दिशा में नया द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन, 2 अदद एयर कॉनकोर्स और सीवेज ट्रीटमेंट संयत्र के संरचनात्मक कार्य पूरे हो गए हैं। दक्षिण दिशा में नया द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन और एयर कॉनकोर्स, उत्तर दिशा में स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, लिफ्ट और एस्केलेटर के कार्य शुरू किए गए हैं।

- **नेल्लूर स्टेशन**: पूर्व और पश्चिम दोनों तरफ की दिशाओं के स्टेशन इमारतों और एयर कॉनकोर्स के संरचनात्मक कार्य पूरे हो गए हैं। पूर्व और पश्चिम दोनों तरफ की स्टेशन भवन के सबवे विस्तार, पार्किंग, जल टैंक सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र, और एयर कॉनकोर्स के परिष्करण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- **बैंगलोर कैंटोंमेंट स्टेशन**: दक्षिण की ओर डायवर्जन रोड, प्रशिक्षण केंद्र, उत्तर की ओर छात्रावास, इलेक्ट्रिक सब स्टेशन भवन के कार्य पूरे हो गए हैं। दक्षिण दिशा की ओर का स्टेशन भवन, उत्तर दिशा की ओर का स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पैदल पार पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- **कोटा जंक्शन स्टेशन**: फ्रंट प्रस्थान हॉल, फ्रंट आगमन हॉल, पिछली ओर स्टेशन बिल्डिंग के संरचनात्मक कार्य पूरे गए हैं। फ्रंट प्रस्थान हॉल, पिछली ओर स्टेशन बिल्डिंग एयर कॉनकोर्स निर्माण, थ्रू रूफ, परिचलन क्षेत्र के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- **भुवनेश्वर स्टेशन**: पश्चिम और पूर्वी दिशा की नई स्टेशन इमारत और एयर कॉनकोर्स के संरचनात्मक कार्य पूरे हो गए हैं। स्टेशन के पूर्व और पश्चिम दिशा की ओर का उत्थापित

ड्राइववे, ऊपरी पैदल पुल के विस्तार, प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य शुरु किया गया है। पूर्व और पश्चिम दिशा की ओर का स्टेशन भवन, एमईपी (यांत्रिक, बिजली एवं प्लंबिंग) का कार्य, एचवीएसी (तापन, वेंटिलेशन और एयर कंडिशनिंग) और एस्केलेटर्स के परिष्करण कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और चलायमान प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/दशा/संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर निष्पादित किए जाते हैं।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, विद्युत/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

इसके अलावा, सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 12,120 करोड़ रुपये का निधि आवंटन किया गया है और अभी तक, 11,892 करोड़ रुपये (फरवरी, 2026 तक) का व्यय उपगत किया गया है।

******